R.N.I. No. RAJHIN/2020/79075

कागज़ की कश्ती

पाक्षिक समाचार पत्र

मो. 9829250181
ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

सम्पादक : शिवकुमार शर्मा

वर्ष - 7 | अंक - 6 | मंगलवार, 22 सितम्बर 2026 | कुल पृष्ठ - 4 | (पाक्षिक) | मूल्य रु. 360/- (वार्षिक)

किशनगढ़ नगर परिषद चुनाव

भाजपा के राजकुमार बड़जात्या बने शहर सरकार के नए मुखिया



बाड़ा बंदी के बावजूद सेंधमारी से चित हुई कांग्रेस

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज-किशनगढ़। किशनगढ़ नगर परिषद के सभापति पद के रण में भारतीय जनता पार्टी ने जबरदस्त सियासी बाजी मारते हुए विजय पताका फहरा दी है। भाजपा प्रत्याशी राजकुमार बड़जात्या ने कांग्रेस के मोहित खंडेलवाल को 22 वोटों के भारी अंतर से पटखनी देकर सभापति की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। इस करारी शिकस्त ने जहां किशनगढ़ के सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, वहीं कांग्रेस खेमे की अंदरूनी कलह और क्रॉस वोटिंग की कलई भी खोलकर रख दी है। 60 वार्डों वाली किशनगढ़ नगर परिषद में बहुमत का जादुई आंकड़ा 31 था। हाल ही में आए निकाय चुनाव के नतीजों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। चुनाव परिणाम के मुताबिक भाजपा को 29 सीटें, कांग्रेस को 21 सीटें ओर 10 सीटों पर निर्दलीय विजयी रहे थे। बहुमत के लिए भाजपा को महज 2 वोटों की दरकार थी, जबकि कांग्रेस को सत्ता में आने के लिए 10 निर्दलीयों का साथ चाहिए था। लेकिन जब मतदान के नतीजे सामने आए, तो समीकरण पूरी तरह बदल चुके थे। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अनिल कुमार चौधरी ने चुनाव के नतीजें की घोषणा की तो एक बारगी सब चकित रह गए। भाजपा के राजकुमार बड़जात्या को 41 वोट ओर कांग्रेस के मोहित खंडेलवाल 19 वोट मिले। इस तरह से भाजपा ने कांग्रेस को 22 मतों से हराया। जीत के बाद रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार चौधरी ने राजकुमार बड़जात्या को शपथ दिलाई। शपथ के बाद जैसे ही बड़जात्या कक्ष के बाहर आए तो उन्हें मालाओं से लाद दिया गया। इधर सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल, पुलिस उपाधीक्षक सिटी धर्मराज चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक आयुष वशिष्ठ सहित मदनगंज, किशनगढ, अरांई एवं बांदरसिंदरी थाने के अधिकारी एवं पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

पहले ये उम्मीद की जा रही थी कि पार्षद करीबन 11 बजे तक परिषद पहुंचेंगे। लेकिन पार्षदों को लेकर भाजपा व कांग्रेस दोनों की बसें 10 बजे तक पहुंच गई। सबसे पहले भाजपा के पार्षदों ने रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार चौधरी के समक्ष शपथ ग्रहण की। इस दौरान अरांई एसडीएम अर्चना बुगालिया, तहसीलदार अकुंर जैन, नायब तहसीलदार कुलदीपसिंह सहित निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। शपथ के साथ ही मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। 60 पार्षदों ने करीब डेढ़ घंटे में मतदान प्रक्रिया पूरी की। निर्दलीय उम्मीदवार अलग-अलग वाहनों में दो-दो करके आते रहे और मतदान करते रहे।





जीत का ऐलान होते ही झूमे भाजपाई

निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार चौधरी में मतगणना पश्चात जैसे ही कक्ष से भाजपा प्रत्याशी की अधिकृत जीत का औपचारिक ऐलान किया, परिषद परिसर के बाहर सांसें रोके खड़े भाजपा कार्यकताओं का सब्र खुशी के ठिकाने में तब्दील हो गया। जय श्री राम और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों के साथ भाजपाई खुशी से उछल पड़े। सुबह से ही जिस नगर परिषद परिसर में परिंदा भी पर नहीं मार पा रहा था और प्रशासन ने अंदर प्रवेश को लेकर बेहद सख्ती बरत रखी थी, जीत की खबर फैलते ही वहां अचानक भाजपा समर्थकों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा। मालाएं लिए कार्यकर्ता सीधे परिसर के भीतर दाखिल हो गए। प्रशासनिक मुस्तैदी और तैनात पुलिस बल ने बेकाबू भीड़ को मुख्य द्वार पर रोकने का भरसक प्रयास किया, लेकिन जीत के प्रचंड जोश और अपार खुशी के उफान के आगे पुलिस की तमाम घेराबंदी और बेरिकेडिंग धरी की धरी रह गई। जीत के इस जश्न के बीच कार्यकताओं ने युवा नेता सुभाष चौधरी को हाथों-हाथ कंधों पर उठा लिया और जमकर नारेबाजी की।

निर्दलीय राखी शर्मा ने किया मतदान

निर्दलीय राखी शर्मा के जुड़वा बच्चे होने से उनके लिए ये चुनाव दोहरी खुशी साबित हुए। उनके स्वास्थ्य को देखते हुए निर्वाचन विभाग ने सभाकक्ष के नीचे वाचनालय में मतदान व्यवस्था की थी। ऐसे में वे अपने पति राजू शर्मा के साथ मतदान करने पहुंची और बधाईयां स्वीकार करने के साथ ही स्वास्थ्य के नजरिए से बिना रुके मतदान कर रवाना हो गई।

अजमेर की 'प्रथम नागरिक' बनीं किशनगढ़ की बेटी अनामिका शर्मा के घर पर जश्न का माहौल

मदनगंज-किशनगढ़।(कागज की कश्ती)

राजनीति के क्षितिज पर अपनी सफलता का परचम लहराते हुए किशनगढ़ की बेटी अनामिका शर्मा ने विजयी हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरीं अनामिका शर्मा अजमेर नगर निगम की नई मेयर चुन ली गई हैं। किशनगढ़ के शिवाजी नगर निवासी स्व. शिवदयाल रतावा एवं कुसुमलता की पुत्री अनामिका शर्मा धार्मिक प्रवृत्ति और उच्च संस्कारों से सिंचित हैं। परिवार में अपनी छोटी बहन मीना और भाई वासुदेव का संबल बनीं अनामिका की शिक्षा 11वीं कक्षा तक हुई है। नवंबर 2005 में उनका विवाह अजमेर निवासी मनीष शर्मा से हुआ। वर्तमान में मनीष शर्मा अजमेर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और राजस्थान राजनीति के अहम हलकों में सक्रिय पहचान रखते हैं। किशनगढ़ की बेटी के अजमेर के सर्वोच्च नागरिक पद पर आसीन होते ही उनके पैतृक नगर किशनगढ़ शिवाजी नगर स्थित निवास पर रिश्तेदारों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवारजन अधिकांशतः अजमेर गए हुए थे, फि4 भी पडौसी व समर्थकों ने पटाखे फोड़कर, ढोल बजाकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस ऐतिहासिक पल का उत्सव मनाया। समीकरणों और सियासी उलटफेर के बीच मिली इस शानदार जीत ने साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और जनसमर्पण से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। अजमेर के वार्ड 3 से 3,687 मत हासिल कर पहली बार पार्षद बनीं अनामिका शर्मा को पार्टी ने मेयर पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। 80 वार्डों वाले अजमेर नगर निगम में कांग्रेस के 37, भाजपा के 32 और 11 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए थे। जादुई आंकड़े (41 वोट) के अभाव में यह मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया था। लेकिन बदलते सियासी समीकरणों, कुशल रणनीतिक प्रबंधन और निर्दलीय पार्षदों के समर्थन के दम पर अनामिका शर्मा ने 43 वोट हासिल कर विजय पताका फहरा दी।



सेंधमारी और क्रॉस वोटिंग के 'खेल' में कांग्रेस की योजना 'फेल'

सभापति बड़जात्या ने कहा-जरूर मेरे प्रति उनकी निष्ठा रही होगी



मतदान करने के लिए जाते पार्षद।

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज-किशनगढ़। इस चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस के सियासी गणित को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कांग्रेस के पास खुद के 21 पार्षद निर्वाचित होकर आए थे, लेकिन जब मतों की गिनती हुई तो कांग्रेस प्रत्याशी मोहित खंडेलवाल को 19 वोट ही मिले। यानी कांग्रेस के अपने ही 2 पार्षदों ने क्रास वोटिंग करते हुए अपनी पार्टी को गच्चा दिया और भाजपा के पक्ष में मतदान कर दिया। दूसरी ओर, भाजपा प्रत्याशी को 29 दलीय पार्षदों के मुकाबले कुल 41 वोट हासिल हुए। यानी भाजपा को अपने कैडर से 12 ज्यादा वोट मिले। यदि इन 12 वोटों में सभी 10 निर्दलीय पार्षदों का समर्थन भी जोड़ लिया जाए, तब भी गणित साफ इशारा करता है कि कांग्रेस के कम से कम 2 बागियों ने सीधे भाजपा के पाले में वोट डालकर कमल खिलाने में अहम भूमिका निभाई। अब शहर भर में चर्चा आम है कि आखिर कौनसे दो पार्षद है जिन्होंने क्रॉस वोटिंग कर भाजपा के खेमे में खुशी दोगुनी कर दी वही कांग्रेस पार्टी को 21 से 19 पर लाकर सोचने पर मजबूर कर दिया।

विश्वासघात के साए में ढहता निष्ठा का प्राचीर

राजनीति के मंच पर निष्ठाएं जब अवसरवादिता के कुहासे में खोने लगती हैं, तब जनमत का गणित महज आंकड़ों की बाजीगरी बनकर रह जाता है। इस हालिया चुनाव के नतीजों ने सत्ता के गलियारों में न केवल कांग्रेस की उम्मीदों को चकनाचूर किया, बल्कि निष्ठा और समर्पण के दावों की कलई भी खोल दी। कांग्रेस के पाले में 21 निर्वाचित पार्षदों का बल था। एक ऐसा संख्याबल जो किसी भी रणनीतिकार को आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त जान पड़ता था। किंतु जब मतपेटी से सच बाहर आया, तो कांग्रेस प्रत्याशी मोहित खंडेलवाल की झोली में केवल 19 मत गिरे। यह महज दो वोटों का घाटा नहीं था, बल्कि पार्टी के भीतर गहराई तक पैठ बना चुके उस भीतरघात का प्रदर्शन था, जिसने अपनों के हाथों ही पार्टी के विश्वास का आंचल तार-तार कर दिया। जिन कंधों पर संगठन की पतवार संभालने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही ऐन वक्त पर सत्ता की लहरों के संग रुख बदल लिया। इसके विपरीत, विरोधी खेमे में रणनीति का कमल पूरी आबो-हवा के साथ खिल उठा। भाजपा के 29 दलीय पार्षदों के आधार-वृत्त पर जब मतों की वर्षा हुई, तो कुल संख्या 41 तक जा पहुंची। गणित के सीधे समीकरण भी यहां निष्ठा के क्षरण की गवाही देते हैं। यदि सभी 10 निर्दलीय पार्षदों के सम्मोहन को भाजपा की झोली में गिरा हुआ मान भी लिया जाए, तब भी वे दो अदृश्य हाथ स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिन्होंने कांग्रेस की जमीन को खोदकर भाजपा के विजय स्तंभ को सींचने का काम किया। यह निष्ठा पर अवसरवादिता की सामयिक विजय की कहानी है।

क्रॉस वोटिंग पर बड़जात्या ने कहा-जरूर मेरे प्रति उनकी निष्ठा रही होगी

मतगणना के बाद आए परिणाम से भाजपा पूरे जोश में नजर आई। वही मीडिया से बात करते हुए क्रॉस वोटिंग के सवार पर सभापति बड़जात्या ने कहा कि सभी का आभार है। भाजपा व निर्दलियों के अलावा मुझे दो वोट मिले है, जरूर उनके मन में मेरे प्रति निष्ठा रही होगी। जिस पर मौजूद सभी लोगों ने ठहाके लगाएं और उनकी बात में सहमति जताई।



किशनगढ़। नव निर्वाचित सभापति बड़जात्या का अभिनंदन करते पाटनी परिवार।

नवनिर्वाचित सभापति बड़जात्या पहुंचे आरके हाउस

चुनाव परिणाम के बाद परिषद से निकल कर नव निर्वाचित सभापति राजकुमार बड़जात्या सबसे पहले आरके कम्युनिटी सेंटर पहुंचकर आचार्य महामुनि विहर्ष सागर महाराज से आशीर्वाद लिया। उसके बाद आरके हाउस पहुंचे। जहां आरके मार्बल ग्रुप के चेयरमैन अशोक पाटनी ने नवनिर्वाचित सभापति राजकुमार बड़जात्या को मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुभाष चौधरी की उपस्थिति में जीत की रणनीति को लेकर चर्चा की। इस मौके पर पाटनी ने सभापति बड़जात्या को कहा कि जनता ने आपको पद सौंपा है अब आपकी जिम्मदारी ओर बढ़ गई है। उनके विश्वास पर खरा उतरते हुए आमजन राहत दिलाने का काम करें। इस दौरान सुरेश पाटनी, विमल पाटनी, भाजपा के पर्यवेक्षक सुरेंद्र पारीक, संजय पापड़ीवाल, सभापति के परिवार से जुड़े प्रमुख लोग मौजूद रहे। यही से वे भाजपा के वरिष्ठ नेता विमल-प्रेम बड़जात्या के घर पहुंचे और परिवार के लोगों से मिलकर खुशियां साझा की।



रतनलाल कंवरलाल पाटनी गर्ल्स कॉलेज में विश्व ओजोन दिवस पर प्रतियोगिता संपन्न



मदनगंज-किशनगढ़। रतनलाल कंवरलाल पाटनी गर्ल्स कॉलेज में विश्व ओजोन दिवस पर भूगोल एवं भौतिक विज्ञान विभाग के तत्वावधान में संयुक्त अंतर-विद्यालयी ऑन-द-स्पॉट पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ओजोनः हमारी अदृश्य ढाल, हमारी प्रत्यक्ष जिम्मेदारी विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की 55 छात्राओं ने कैनवास पर रंगों और वैज्ञानिक सोच का ऐसा संगम उकेरा कि देखने वाले दंग रह गए। कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक एवं सचिव सुभाष अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां विद्यार्थियों में न केवल पर्यावरणीय चेतना जगाती हैं, बल्कि उनमें एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक दायित्व का भाव भी सिंचित करती हैं। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि पृथ्वी की रक्षा हमारी प्रत्यक्ष जिम्मेदारी है। प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाटनी ने छात्राओं के प्रयास को सराहते हुए कहा कि यह पहल जीवन सुरक्षा में ओजोन परत के महत्व का स्मरण कराती है। कार्यक्रम में 11वीं और 12वीं कक्षा की छात्राओं ने ऑन-द-स्पॉट अपनी मौलिक कल्पनाशीलता से ओजोन संरक्षण और सतत विकास का प्रभावशाली संदेश दिया। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. रोहिणी यादावार ने प्रतियोगिता को सतत विकास की दिशा में एक सशक्त कदम बताया। वहीं, भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष देवश्री जैन ने बताया कि प्रतियोगिता परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं एवं उनके विद्यालयों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए। जिसमें गंगा विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा मोनिका चौधरी ने प्रथम स्थान, अग्रवाल गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अयाना मंसूरी ने द्वितीय स्थान एवं महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की सारिका तलरेजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में एमआईएस इन्टरनेशनल स्कूल की श्रेया खाबानी, ऑल सेंट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल अजमेर की रिद्धिमा टाक एवं सेंट स्टीफन स्कूल किशनगढ़ की इचा नोगिया को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रोहिणी यादावार एवं देवश्री जैन ने छात्राओं, मार्गदर्शक शिक्षकों तथा महाविद्यालय परिवार के प्रति आभार जताया।

बालाजी मेला महोत्सव कमेटी का गठन

मदनगंज-किशनगढ़। रूपनगढ़ रोड बालाजी बगीची में श्री बालाजी मेला कमेटी महोत्सव की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से संजय पांड्या को संयोजक, प्रकाश राठी, श्याम जोगड़ को सह संयोजक, अध्यक्ष प्रेम सागर शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्मल पाटोदी, नेमीचन्द जोशी, देवकीनंदन लखोटिया, परमेंद्र जोशी, सुरेंद्र महणोत, महामन्त्री ज्ञानेन्द्र सैनी, सांस्कृतिक सचिव उमराव बाकलीवाल, लवसागर शर्मा, मोहित बरडिया, विजय शर्मा, कोषाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश सोनी, मनीष राजपुरोहित, प्रचार मंत्री सुशील दाधीच को नियुक्त किया गया।



किशनगढ़ नगर परिषद चुनाव में 29 सीटों पर भाजपा व 21 सीटों पर कांग्रेस और 10 सीटों पर निर्दलीय जीते

मदनगंज-किशनगढ़। किशनगढ़ नगर परिषद चुनाव में भाजपा ने 29, कांग्रेस ने 21 व निर्दलीयों ने 10 सीटों पर विजय हासिल की। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अनिल कुमार चौधरी की देखरेख में श्री रतनलाल कवरलाल पाटनी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पूरी चौकसी के साथ मतगणना आरंभ हुई। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं तहसीलदार अकुंर जैन, नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह के अलावा पुलिस उपाधीक्षक शहर धर्मराज चौधरी, पुलिस उपाधीक्षक ग्रामीण आयुष वशिष्ठ, सीआई भवानीसिंह, सीआई अनिल कुमार शर्मा, सीआई नरपतराम बाना के अलावा मदनगंज, किशनगढ़, गांधीनगर, अरांई, रुपनगढ़ पुलिस थाने का जाब्ता पूरी मतगणना के दौरान तैनात रहा। मतगणना एसडीएम अनिल कुमार चौधरी, तहसीलदार अकुंर जैन, नायब तहसीलदार कुलदीपसिंह सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में सपंन्न हुई। 60 वार्डों के चुनाव के लिए कुल 256 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डट कर अपने भाग्य को आजमा रहे हैं। जिसमें 60 भाजपा, 60 कांग्रेस, 08 आरएलपी, 02 आप एवं 126 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है। 1 लाख 26 हजार 161 मतदाताओं में से 98 हजार 720 मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह से 78.25 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया।

स्वामी व प्रकाशक शिवकुमार शर्मा के लिए मुद्रक गजेन्द्र के. बोहरा द्वारा नितिन प्रिन्टर्स, बंगाली गली, कचहरी रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित एवं कार्यालय नन्द निकुंज, जैन स्थानक गली, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) से प्रकाशित। सम्पादक : शिवकुमार शर्मा मो. 9829250181, ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

भूलना प्रायः प्राकृतिक है जबकि याद रखना प्रायः कृत्रिम है।
–रत्वान रोमेन खिमेनेस

सम्पादकीय

मंगलवार, 22 सितम्बर 2026

जनमत का चीरहरण और शुचिता की हार

लोकतंत्र की आत्मा चुनाव परिणाम की उस निष्पक्षता में बसती है, जिसे जनता अपने एक-एक वोट से सींचती है। लेकिन जब जनादेश की पेटी खुलती है और जोड़-तोड़ की भट्टी जलती है, तो सिद्धांत, विचारधारा और मूल्य जलकर भस्म हो जाते हैं। हालिया निकाय चुनाव के बाद उभरती राजनीतिक तस्वीरें इसी कड़वे सच पर मुहर लगाती हैं। किशनगढ़ के 60 वार्डों में नगर परिषद के गठन का जो नाट्य-रूपांतरण हुआ, उसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सत्ता के नए समीकरणों में 'राजनीति जीत रही है और जनता हार रही है।'

संख्याबल के खेल को समझें तो किशनगढ़ की जनता ने किसी भी एक दल



को स्पष्ट बहुमत न देकर संतुलन और शुचिता की उम्मीद जताई थी। भाजपा को 29, कांग्रेस को 21 और 10 निर्दलीयों को जीत सौंपकर जनता ने यह संदेश दिया था कि अब केवल झंडे का रंग देखकर नहीं, बल्कि काम देखकर सत्ता का फैसला होगा। 60 सदस्यों के इस बोर्ड में सभापति की कुर्सी हासिल करने के लिए जादूई कांटा 31 पर अटका था। यह तय माना जा रहा था कि दोनों प्रमुख दल निर्दलीयों के दरवाजों पर दस्तक देंगे और लोकतंत्र की सामान्य मयार्दा के तहत शह-मात का खेल चलेगा।

?किंतु, जब मतगणना के अंतिम लिफाफे खुले, तो लोकतंत्र का चेहरा स्याह पड़ चुका था। विजयी प्रत्याशी के पाले में 41 मत गिरे। गणित बेहद सीधा और चिन्तनीय है—यदि भाजपा के अपने 29 सदस्यों में सभी 10 निर्दलीयों का समर्थन भी पूर्ण रूप से जोड़ लिया जाए, तो यह आंकड़ा 39 पर जाकर ठहरता है। शेष 2 मत कहां से आए? यह कोई अनसुलझी पहेली नहीं, बल्कि सरेआम हुआ निष्ठा का सौदा है। स्पष्ट है कि कांग्रेस के दो पार्षदों ने दलगत निष्ठा, नैतिक मूल्यों और अपने क्षेत्र के मतदाताओं के भरोसे को ताक पर रखकर 'क्रॉस वोटिंग' का रास्ता चुना।

क्रॉस वोटिंग को राजनीति के धुरंधर भले ही 'कुशल रणनीति' या 'रणनैतिक विजय' का नाम देकर अपनी पीठ ठोक लें, लेकिन साहित्यिक संदर्भों में यह जनमत का छल और लोकतंत्र की पीठ में घोंपा गया छुरा ही है। जब एक प्रत्याशी किसी खास निशान और विचारधारा के नाम पर जनता से वोट मांगता है, तो जनता केवल उस व्यक्ति को नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विचार को अपना समर्थन देती है। चुनाव के बाद बंद कमरों में जब वही प्रतिनिधि अपना जमीर बदल लेता है, तो वह केवल अपना वोट नहीं बदलता, बल्कि उन हजारों मतदाताओं की उम्मीदों और विश्वास का नीलाम कर देता है जिन्होंने उस पर भरोसा जताया था।

जीत में अनैतिक हिस्सेदार बने लोग शायद यह भूल रहे हैं कि गुपचुप वोटों की इस बाजीगरी से कोई एक दल या व्यक्ति तो सत्ता के शिखर पर पहुंच सकता है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होती है। यहां बात किशनगढ़ तक सीमित नही है कमोबेश पूरे प्रदेश में देखने को मिला है कि दोनों दल किस तरह से तोड़बट्टा करने में लगे रहे। जब निष्ठाएं बिकने लगें और मतपत्र सौदेबाजी का जरिया बन जाएं, तो यही कहना समीचीन होगा कि चौराहे पर सजे इस राजनीतिक बाजार में भले ही पार्टियां जीत गईं हों, मगर छली गई जनता और उसकी उम्मीदें हर बार की तरह हार गई हैं।

सर्पदंश को लेकर आमजन में जागरूकता कार्यक्रम शुरू

सर्पदंश के उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध

मदनगंज-किशनगढ़। सर्पदंश को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 18 सितंबर से 23 सितंबर तक पांच दिवसीय सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. परसाराम चौधरी के अनुसार उक्त कार्यक्रम के तहत आमजन को सर्पदंश के बाद बरजी जाने वाली सावधानियों से अवगत करया जा रहा है। इसी क्रम में डॉ. विनोद शर्मा ने आमजन को सर्पदंश से बचाव और समय पर उपचार के संबंध में जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में घबराने के बजाय मरीज को बिना देरी किए नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए। राज्य के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सर्पदंश के उपचार के लिए एंटी-स्नेक वेनम निःशुल्क उपलब्ध है। यह सुविधा सब-डिस्ट्रिक्ट एवं जिला अस्पतालों में उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हमारे चिकित्सालय में पिछले छह माह के दौरान सर्पदंश के 166 मरीज उपचार के लिए पहुंचे जिनका सफलतापूर्वक उपचार किया गया। उन्होंने कहा कि सर्पदंश का उपचार संभव है इसलिए मरीज और उसके परिजनों को घबराने या पैनिक करने की आवश्यकता नहीं है। डॉ. शर्मा ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में मरीज को शांत रखें और उसे अनावश्यक रूप से चलाने-फिराने से बचें मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना चाहिए। काटे गए स्थान पर ब्लेड या चाकू से चीरा नहीं लगाना चाहिए और जहर निकालने के लिए घाव को काटने का प्रयास नहीं करना चाहिए। बहुत कसकर कपड़ा, दुपट्टा या रस्सी बांधकर रक्तसंचार रोकने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए। झाड़-फूंक अथवा घरेलू उपचार में समय गंवाने के बजाय तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेना जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि सर्पदंश की घटना को गंभीरता से लें लेकिन घबराएं नहीं मरीज को सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण माहौल देते हुए समय पर अस्पताल पहुंचाएं जागरूकता और समय पर चिकित्सा सहायता से सर्पदंश से होने वाली गंभीर जटिलताओं को कम किया जा सकता है। पांच दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वीडियो एवं अन्य माध्यमों से आमजन को सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक सावधानियों, भ्रांतियों तथा समय पर चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

सेंसर बोर्ड का पुनर्गठन, 18 नए लोग शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) में सिनेमा,कला, साहित्य और नाट्य जगत की 18 चर्चित हस्तियों को शामिल करते हुए बोर्ड का पुनर्गठन कर दिया। नए बोर्ड में विनोद अनुपम, मनोज जोशी, अभिषेक जैन, रिकी केज, प्रियदर्शन, सुनील शेट्टी, हंसराज हंस, सुप्रिया यारलागड्डा, यतींद्र मिश्र, रूपाली गांगुली, प्रीति जिंटा, नीला माधव पांडा, पंकज त्रिपाठी, प्रसेनजीत चटर्जी, पल्लवी जोशी, निशिगंधा वाड, वामन केन्द्रे और रमेश पतंगे शामिल हैं। यह नियुक्तियां तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक प्रभावी रहेंगी।

प्रधानाचार्य मुकुंद शरण उपाध्याय को मिला ऋषि सम्मान

मदनगंज-किशनगढ़। जगदुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के तत्वावधान में आयोजित सामूहिक ऋषि-पूजन एवं उपाकर्म संस्कार समारोह के दौरान राजकीय संस्कृत वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय शिवाजी नगर के प्रधानाचार्य मुकुंद शरण उपाध्याय को ष सम्मान से विभूषित किया गया। राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. मदन मोहन झा, अनुसंधान केन्द्र के निदेशक प्रो. राजधर मिश्र, राजस्थान मन्त्र - प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. कुलदीप सिंह पालावत तथा कार्यक्रम संयोजक प्रो. मोहन लाल शर्मा की



मौजूदगी में संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उपाध्याय का सम्मान किया गया। उनकी उपलब्धि पर संस्कृत अनुरागी समाज और उनके विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है ।

महर्षि दधीचि जयंती महोत्सव

भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु, क्रिकेट में किशनगढ़ एकादश विजयी

मदनगंज-किशनगढ़। दाधीच समाज एवं दाधीच महिला मंडल दाधीच समाज समिति के संयुक्त तत्वावधान में दाधीच भवन प्रांगण में आराध्य कुलदेवता महर्षि दधीचि जयंती महोत्सव भक्ति भाव और हर्षोल्लास के साथ शुरू हुआ। ?महोत्सव के तहत आयोजित भजन संध्या का शुभारंभ बालमुकुंद बणबोटा एंड पार्टी ने गणेश वंदना वक्रतुंड महाकाय से किया। इसके बाद सियाराम जी के बड़े खास बालाजी, मेरा सालासर दरबार और नमो नमो मातेश्वरी जैसे भजनों पर पूरा प्रांगण गुंजायमान हो उठा। भजन गायक चंद्रप्रकाश दाधीच ने हाथ जोड़ करूं विनती मारी दधीमती मां और सांचा-सांचा हीरा मोतियां की झनकार प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक विष्णु सोमानी ने चलो बुलावा आया है तथा समाज की होनहार गायिका नेहा शर्मा ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से मध्य रात्रि तक समां बांधे रखा। ?कार्यक्रम में समाज के सभाध्यक्ष वैद्य पंडित देवीलाल शास्त्री, अध्यक्ष वेद प्रकाश दाधीच, उपाध्यक्ष जुगल किशोर जोशी, सचिव दिवाकर काकड़ा, महिला मंडल सभाध्यक्ष सुशीला डेरोल्या सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु और महिलाएं उपस्थित रहीं।

क्रिकेट मैच में किशनगढ़ इलेवन बनी विजेता

जयंती महोत्सव के तहत सम्राट पृथ्वीराज स्टेडियम में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अभिषेक दाधीच एवं एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के ब्रांच मैनेजर नंदलाल दाधीच रहे। फाइनल मुकाबले में किशनगढ़ इलेवन की टीम ने मदनगंज इलेवन को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मुख्य अतिथि राधेश्याम दाधीच, प्रेम सागर और सुदेश कुंभ्या ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए।



उच्च शिक्षा में समसामयिक चिंतन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए 25 राज्यों से 260 से अधिक शिक्षक एवं शोधार्थी जुड़े



मदनगंज-किशनगढ़। सिटी रोड स्थित आरके पाटनी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए उच्च शिक्षा में समसामयिक चिंतन विषय पर द्विसाप्ताहिक ऑनलाइन रिफ्रेशर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में देश के 25 रा'यों से 260 से अधिक शिक्षक एवं शोधार्थी प्रतिभागी के जुड़े। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. राजेश कुमार दुबे, अध्यक्ष, यूजीसी मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ने की तथा प्रो. पी. सी. त्रिवेदी मुख्य अतिथि रहे। वहीं प्रो. अनिल कुमार दाधीच, सहायक निदेशक, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा अजमेर संभाग ने विशिष्ट अतिथि रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जेपी शुक्ला ने उच्च शिक्षा के तेजी से बदलते स्वरूप में शिक्षकों के निरंतर अकादमिक उन्नयन, तकनीकी दक्षता, नवाचार तथा अंतर्विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया। पहले दिन समकालीन उच्च शिक्षा के विभिन्न आयामों पर हुआ मंथन किया गया। रिफ्रेशर कार्यक्रम की विशेषता यह है कि आगामी दिनों में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से करीब 20 कुलपति प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त यूनेस्को चेयर, डीआरडीओ के वैज्ञानिक, एनसीईआरटी निदेशक, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सदस्य तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों के निदेशक सहित अनेक प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों में व्याख्यान देंगे। प्राचार्य शुक्ला ने बताया कि द्विसाप्ताहिक कार्यक्रम के विभिन्न अकादमिक सत्रों में समकालीन उच्च शिक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जितेन्द्र सिंह बीका ने भी उपयोगी जानकारी साझा की। इस दौरान डॉ. मधु कुमावत, डॉ. नीलोफर कोहरी, डॉ. जितेश कुमार जांगिड़, प्रो. लोकबंधु सिंह, प्रो. नीतू भारतीय, प्रो. अनुराग शर्मा, प्रो. ओ प्रकाश बैरवा सहायक आचार्य डॉ. कांता मीणा, डॉ. पूनम डोलिया, डॉ. कीर्ति रमन एवं विजय मीरचंदानी आदि मौजूद थे।



आरके गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने सीएस आईआर-नेट में किया बेहतरीन प्रदर्शन

मदनगंज- किशनगढ़। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे आरके गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का लोहा मनवाया। जून 2026 की संयुक्त सीएस आई आर-नेट (लाइफ साइंसेज) परीक्षा के घोषित परिणामों में महाविद्यालय की एमएससी जूलॉजी की सुरभि राजावत ने ऑल इंडिया रैंक 64 के साथ जेआरएफ, प्रेरणा सोनी ने ऑल इंडिया रैंक 55 तथा पूर्व छात्रा गुंजन परिहार ने ऑल इंडिया रैंक 72 प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की।







निदेशक एवं सचिव सुभाष अग्रवाल ने कहा कि किशनगढ़ की प्रतिभाओं के सामने कोई भी मंजिल असंभव नहीं है। यह परिणाम सिर्फ एक अंक तालिका या रैंक नहीं है, बल्कि यह इस बात का जीवंत प्रमाण है सही मार्गदर्शन, परिवार के अटूट सहयोग और खुद पर पक्के विश्वास के साथ की गई कड़ी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। हमारी बेटियां जब शिक्षा और शोध के क्षेत्र में देश के उच्च संस्थानों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल अपना ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और क्षेत्र का मस्तक गर्व से ऊंचा करती हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आपकी यह सफलता महाविद्यालय की आने वाली हर छात्रा के लिए एक नया संबल और प्रेरणा बनेगी। प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र पाटनी एवं समस्त संकाय सदस्यों ने छात्राओं के अथक प्रयास और परीक्षा रणनीति की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राणी - विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वजीत जारोली ने बताया कि 2021 में शुरू हुए इस विभाग ने कम समय में ही अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की। इससे पूर्व भी वर्ष 2023 व 2024 में वंशिका जैन एवं जानवी कंवर ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक जीता था, वहीं साक्षी तिवारी, तनूजा बुनकर, निकु टांडी और समता चौधरी सहित अन्य पूर्व छात्राएं भी नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण कर देश के प्रतिष्ठित शोध संस्थानों से पीएचडी कर रही हैं। इस संबंध में सफल हुई छात्रा सुरभी राजावत एवं गुंजन परिहार ने बताया कि आरके पाटनी गर्ल्स कॉलेज में गुणवत्तायुक्त शिक्षण छात्राओं को न केवल सफल मंच प्रदान करता वहीं यहां की काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन हमेशा छात्राओं का उड़ान भरने में सहायक है। कॉलेज प्रशासन ने सफल छात्राओं को बधाई दी ।

संवेदनशीलता की मिसाल

दिवंगत वासु गुर्जर के परिजनों को समाजसेवी भोजराज ने सौंपी 11 लाख की आर्थिक सहायता



कागज की कश्ती।

मदनगंज-किशनगढ़। शहर के पुराना शहर निवासी दिवंगत युवा वासु गुर्जर (कुलदीप) के असामयिक निधन के बाद पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने और सहायता प्रदान करने के लिए सर्व समाज के लोग आगे आए हैं। वासु की चुनाव के बाद बैनर हटाते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद पैदा हुए संकट और विवाद की स्थिति के बीच भाजपा नेता एवं समाजसेवी भोजराज गुर्जर ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संबल प्रदान किया। समाजसेवी भोजराज गुर्जर के प्रयासों और निजी सहयोग से पीड़ित परिवार को कुल 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसमें 5 लाख रुपये सरकारी सहायता योजना के तहत स्वीकृत कराए गए, जबकि 6 लाख रुपये की राशि समाजसेवी भोजराज गुर्जर ने निजी स्तर पर परिवार को सौंपी।

आर्थिक सहायता सौंपते समय माहौल बेहद गमगीन और संवेदनशील हो गया। इस मौके पर समाज सेवा और मानवीय सरोकारों को रेखांकित करते हुए भोजराज गुर्जर ने एक भावुक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आर्थिक सहायता से अपनों के जाने का दर्द कम नहीं किया जा सकता और न ही दुनिया की कोई दौलत बिछड़े हुए व्यक्ति को वापस ला सकती है। लेकिन एक समाज के रूप में हमारा यह पहला कर्तव्य है कि हम दुःखों के पहाड़ तले दबे परिवार की आगे की गुजर-बसर और सम्मानजनक जीवन के लिए सहारा बनें। परिवार के किसी भी सदस्य पर आए संकट के समय मैं हमेशा हर सुख-दुःख में साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने उपस्थित समर्थकों और आमजन से भी अपील की कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहें और सामाजिक उत्तरदायित्व का संकल्प लें। अंत में उन्होंने ईश्वर से दिवंगत वासु गुर्जर की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। भोजराज गुर्जर की इस संवेदनशीलता और त्वरित सहयोग पर पीड़ित परिवार एवं सर्व समाज के गणमान्य लोगों ने गहरा आभार प्रकट किया। परिवार के सदस्यों ने कहा कि हादसे के बाद जिस तरह से समाज और भोजराज गुर्जर ने उन्हें अकेले नहीं पड़ने दिया और आगे बढ़कर आर्थिक व मानसिक संबल दिया, उसके लिए वे जीवनभर आभारी रहेंगे। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल को सामाजिक समरसता और इंसानियत की एक अनुकरणीय मिसाल बताया।